EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE
www.edugross.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 1
Chapter Name : दो बैलों की कथा

Q1 काजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

Answer. काजीहौस में कैद पशुओं की हाज़िरी लेने का मक़सद सभी पशुओं की गिनती करना होता था। काजीहौस में प्रायः नित्य नए पशुओं को लाया जाता था। इतने सारे पशुओं में यदि कोई एक भी पशु कम हो जाता तो इसका पता चलना काफ़ी मुश्किल होता था। हाज़िरी के द्वारा वहाँ पर उपस्थित सभी पशुओं की गणना करने में काफ़ी सहायता हो जाती थी। हाज़िरी लगाकर काजीहौस में उपस्थित सभी पशुओं की गणना बिना किसी झंझट के आसानी से कर ली जाती थी। इसलिए काजीहौस में पशुओं की हाज़िरी ली जाती थी।

Page : 19 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

Answer. बैलों की दयनीय स्थिति देखकर बच्ची को अत्यंत दुख हुआ। बच्ची की सौतेली माँ उसे मारती पीटती थी और उस पर अत्याचार करती थी। बैलों के साथ भी उसका नया मालिक काफ़ी अत्याचार कर रहा था। बच्ची को बैलों की स्थिति और अपनी स्थिति एक जैसी प्रतीत होने लगी थी। इसी कारण छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम उमड़ आया।
Page : 19 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति विषयक मूल्य उभर कर आए हैं?

Answer. प्रस्तुत कहानी के माध्यम से लेखक ने समाज में उपस्थित अनेक नीतिपूर्ण तथ्यों को उभारा है। बात यदि आज़ादी की करें तो बैलों को आज़ादी के आंदोलनकारियों के रूप में चित्रित किया गया है। दोनों बैल अपनी आज़ादी के लिए ठीक उसी प्रकार त्वरित रहते हैं जिस प्रकार ग़ुलामी के ख़िलाफ़ एक सेवक। कितनी बार ही दोनों बैलों को मज़बूत रस्सी से बाँधा गया फिर भी उनके इरादों को कोई बाँध ना सका।वे उस रस्सी को तुड़ाकर बार बार भाग जाते थे। यहाँ तक कि उन्हें काजीहौस में भी बंद कर दिया गया किंतु वहाँ पर भी उन्होंने अपना आंदोलन जारी रखा। सिर्फ़ अपनी आज़ादी के लिए ही नहीं बल्कि एक सच्चे आंदोलनकारी की भाँति दोनों बैलों ने अपनी परवाह छोड़कर वहाँ मौजूद अन्य जानवरो की चिंता की। ख़ुद की परवाह न करते हुए उन्होंने अपनी जान पर खेलकर अन्य जानवरों को आज़ाद करवाया।

इसके अलावा बैलों के माध्यम से लेखक ने समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि चाहे कोई भी स्थिति क्यों न आ जाए हमें अपना धर्म नहीं भूलना चाहिए। इतनी ज़्यादा मार खाने के बावजूद भी बैलों

ने अपने मालिक की सेवा की और अपने बैल धर्म को साकार किया। उन्होंने स्त्री पर अत्याचार करने से इंकार कर दिया। लेख के माध्यम से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें अपनी फ़ितरत को सदा ऊँचे स्थान पर रखना चाहिए। परिस्थितियों का सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए और कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

Page : 19 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

Answer. कहानी में ऐसी कई घटनाओं का उल्लेख किया गया है जिनसे पता चलता है कि हीरा और मोती गहरे दोस्त थे। दोनों ही बैल एक साथ अपने खाने के पात्र में मुंह डालते थे और एक साथ ही बाहर निकालते थे। दोनों ने ही सांड का मुक़ाबला मिलकर किया था।हीरा और मोती दोनों ने बारी बारी से अपनी जान पर खेलकर सांड के शरीर में सींगें घुसायी थी। जब सांड हीरा पर हमला करता था तो मोती उससे मुक़ाबला करता था और जब सांड मोती की तरफ़ लपकता था तो हीरा उसके शरीर में अपनी सींगें घुसाता था। दोनों में से किसी ने भी एक दूसरे को अकेला छोड़कर भागने की नहीं सोची।

दूसरी घटना का उल्लेख काजीहौस में मिलता है। मोती ने दीवार को तोड़ने की चेष्टा की और काजीहौस के मालिक के द्वारा बुरी तरह मारा पीटा गया तथा एक रस्सी से बाँध दिया गया।मोती ने हीरा को दीवार तोड़ने के लिए प्रेरित किया। जब मोती ने दीवार तोड़ दी तब सभी जानवर उस दीवार से भागने लगे। चूंकि मोती रस्सी से बंधा था इसलिए वह भागने में असमर्थ था। इस बात को ध्यान में रखते हुए उसने हीरा से भाग जाने को कहा किंतु हीरा ने उसे छोड़कर जाने से मना कर दिया। इन घटनाओं के द्वारा हमें यह पता चलता है कि दोनों बैल आपस में गहरे दोस्त थे।

Page : 19 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो' हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए?

Answer. 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो' हीरा के द्वारा कहा गया यह कथन प्रेमचंद का स्त्री के प्रति सम्मान का दृष्टिकोण दर्शाता है। स्त्री यदि कुटिल भी है तो भी उसे प्यार से समझाया जाना चाहिए ना कि उस पर किसी प्रकार का कठोर व्यवहार किया जाना चाहिए।हीरा के द्वारा इस कथन को कहलवा कर प्रेमचंद्र ने स्त्री के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने का संदेश दिया है।

Page : 19 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 प्रस्तुत कहानी में प्रेम चंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ मूर्ख का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

Answer. कहानी में प्रेमचंद ने गधे के संतुष्टिपूर्ण स्वभाव का उल्लेख किया है। वह अपने मालिक के द्वारा दिया गया रूखा सूखा खाना और मार व अत्याचार के बावजूद कभी असंतुष्टि या गुस्से का व्यवहार

edugross.com

नहीं रखता। गधे का मालिक चाहे भले ही उसे कितने दिन ही भूखा रखे, मारे पीटे और उससे ख़ूब काम करवाए लेकिन तब भी वो उफ़ तक नहीं करता। गधा गुस्से जैसी भावना से बिलकुल तो दूर रहता है। इसके विपरीत अन्य जानवर कभी न कभी अपना रोष प्रकट ही कर देते हैं। गधे के अंदर बिलकुल एक साधु के समान संतुष्टि होती है। गधे को वास्तव में मूर्ख कहना सही नहीं है क्योंकि वह हर स्थिति में अपने मालिक के प्रति समर्पित रहता है।

Page : 19 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?
Answer. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों का कहानी ने बेहद मार्मिक चित्रण किया गया है। किसान फ़सल के लिए पशुओं की कार्य क्षमता पर निर्भर रहता है। उसके पशु अपनी पीठ पर और बोझ लाद कर रहे थे उसका खेत जोतते हैं और अब नई फ़सल लाने में मदद करते हैं। मोती और हीरा झूरी के दो बैल थे जिन्हें आपस में बेहद प्यार था। ना सिर्फ़ आपस में बल्कि दोनों ही बैल अपने मालिक के लिए बेहद समर्पित थे। एक बार झूरी ने गोई को ससुराल भेज दिया। बैलों को लगा कि अब वो अपने मालिक से कभी नहीं मिल पाएंगे। अपने मालिक और अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव के कारण बैल सुबह ही भागते हुए लौट आए।झूरी ने उन्हें गले लगा लिया। कहानी के द्वारा इस बात का समर्थन किया गया है कि किसान जीवन में मनुष्य और पशुओं का संबंध सिर्फ़ कार्य तक ही सीमित नहीं है बल्कि वहाँ एक प्रेम की भावना पनप जाती है।

Page : 20 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8. इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे'- मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

Answer. जब मोती और हीरा को काजीहौस में बंद कर दिया गया तब उन्होंने वहाँ पर मौजूद अन्य जानवरो की स्थिति देखी। वे जानवर इतने भूखे और लाचार थे कि उन में दो क़दम चलने और उठने की ताक़त तक नहीं बची थी।हीरा को एक रस्सी से बाँध दिया गया था क्योंकि उसने दीवार को तोड़ने की चेष्टा की थी।उसके बाद हीरा ने मोती को प्रोत्साहित किया और मोती ने दीवार तोड़ दी। जब सारे जानवर भाग गए हैं तो हीरा ने मोती से भी भागने के लिए कहा।मोती ने हीरा को छोड़कर जाने से मना कर दिया। हीरा ने कहा की तुम पर विपत्ति आएगी क्योंकि सब समझ जाएंगे कि यह कार्य तुमने किया है और वे तुम्हें बुरी तरह मारेंगे। इस बात पर मोती ने गर्व से कहा कि उसने कई प्राणियों की जान बचा ली है और उसे उन सबका आशीर्वाद मिलेगा। इस कथन से मोती के स्वाभिमान, दोस्त के प्रति समर्पण और परोपकार की भावना का प्रदर्शन होता है।

Page : 20 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q9 आशय स्पष्ट कीजिए-
Answer.

edugross.com

(क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

(ख) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनो के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

(क) ये कथन हीरा और मोती की परोपकार और दोस्त प्रेम की भावना के संदर्भ में कहा गया है। दोनों ही हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ निभाते हैं।अगर उन्हें जान से भी खेलना पड़े तो भी वे पीछे नहीं हटते और एक दूसरे का साथ देते हैं। वे अपने स्वार्थ के लिए कार्य नहीं करते बल्कि हमेशा दूसरों की भलाई करने के लिए तत्पर रहते हैं। वो प्रेम की भाषा जानते हैं और यदि उन्हें प्रेम मिलता है तो वह भी दूसरे से प्रेम करते हैं। अगर उन्हें घृणा भी मिलती है तो भी वे उसे बर्दाश्त कर जाते हैं और कभी पलटकर दूसरे से बदला नहीं लेते। ये गुण दर्शाते हैं कि वे कहीं न कहीं है अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं जबकि मनुष्य अपने अस्तित्व की मूल परिभाषा को ही भूलता जा रहा है।

(ख) मोती और हीरा का नया मालिक उन पर बेहद अत्याचार करता था। वह उन्हें मारता पीटता था और कुछ खाने को भी पर्याप्त भोजन नहीं देता था। दोनों का मन इस अत्याचार से बेहद दुखी था लेकिन जब मालिक की बेटी एक रोटी लेकर आयी और उन्हें प्रेमपूर्वक खिलाकर सांत्वना दी तो दोनों के मन को ही अपार शांति मिली। उनका पेट भले ही न भरा हो लेकिन प्रेम के लिए प्यासी उनकी आत्मा तृप्त हो गई थी।

Page : 20 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q10. गया ने हीरा-मोती को दोनों बार सूखा भूसा खाने के लिए दिया क्योंकि-

(क) गया पराये बैलों पर अधिक ख़र्च नहीं करना चाहता था।✖
(खा) ग़रीबी के कारण खली आदि ख़रीदना उसके बस की बात न थी।✖
(ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुखी था।✔
(घ) उसे खली आदि सामग्री की जानकारी न थी।✖

Answer. (ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुखी था।

Page : 20 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q11. हीरा और मोती ने शोषण के ख़िलाफ़ आवाज़ उठायी लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही। हीरा मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें।

Answer. हीरा और मोती ने शोषण के ख़िलाफ़ आवाज़ उठायी और हर बार जब उन्हें सताया गया तो उन्होंने भाग कर या काजीहौस की दीवार तोड़कर ख़ुद की आवाज़ लोगों तक पहुँचाने की चेष्टा की। अपने नए मालिक के द्वारा मारे पीटे जाने और सही से खाना न दिए जाने पर हीरा और मोती ने उसके खेतों को सही से ना जोता। उन्होने जितना हो सका उतना अपनी कोशिश करी ताकि वे बता सकें कि उनके साथ

edugross.com

जो हो रहा है वो सही नहीं है। हर संभव प्रयास के बावजूद भी लोगों ने उन्हें समझने के बजाए और ज़्यादा प्रताड़ित किया।

Page : 20 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q12. क्या आपको लगता है कि यह कहानी आज़ादी की लड़ाई की ओर भी संकेत करती है?
Answer. यह बात सच है कि कहानी के माध्यम से लेखक ने उन आंदोलनकारियों की परेशानियों पर चर्चा की है जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए लड़ाई लड़ी। हीरा और मोती अपनी मातृभूमि से इतना प्यार करते थे कि जब उन्हें गया के ससुराल भेजा गया तो वे दुखी हो गए। उन्हें ले जाने में उनकी नए मालिक को बहुत जटिलता का सामना करना पड़ा। नई जगह पर पहुँच कर भी हीरा और मोती का मन नहीं लगा और उन्हें अपने पुराने घर की याद आती रही। वे रस्सी तुड़ा कर सुबह ही वहाँ से भाग चले और अपनी मातृभूमि अर्थात पुराने मालिक के पास लौट आए।

Page : 20 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q13. बस इतना ही काफ़ी है
फिर मैं भी ज़ोर लगाता हूँ।
'ही', 'भी' वाक्य में किसी बात पर ज़ोर देने का काम कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को निपात कहते हैं। कहानी में से पाँच ऐसे वाक्य छांटिए जिनमें निपात का प्रयोग हुआ हो।

Answer.

'भी' निपात
1. खिलाते हैं, तो रगड़कर जोतते भी हैं।
2. मुझे मारेगा, तो मैं भी एक-दो को गिरा दूँगा।
3. कुत्ता भी एक ग़रीब जानवर है।
4. कुछ परवाह नहीं।यूं भी मरना ही है।
5. एक मुँह हटा देता, तो दूसरा भी हटा देता।

'ही', निपात
1. अवश्य ही उसमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी,जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।
2. इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई।
3. चलो, अच्छा ही है, कुछ दिन उसके पास तो रहेंगे।
4. अभी चार ही ग्रास खाए थे दो आदमी लाठियां लिए दौड़ पड़े, और दोनों मित्रों को घेर लिया

Page : 20 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q14. रचना के आधार पर वाक्य के भेद बताइए तथा उपवाक्य छाँटकर उसके भी भेद लिखिए।

edugross.com

(क) दीवार का गिरना था कि अधमरे-से पड़े वे सभी जानवर चेत उठे।
(ख) सहसा एक दढ़ियल आदमी, जिसकी आंखें लाल थीं और मुद्रा अत्यंत कठोर, आया।
(ग) हीरा ने कहा-गया के घर से नाहक भागे।
(घ) मैं बेचूंगा, तो बिकेंगे।
(ङ) अगर वह मुझे पकड़ता तो मैं बे-मारे ना छोड़ता।

Answer.
(क) वाक्य- संयुक्त वाक्य
उपवाक्य- संज्ञा

(ख) वाक्य- मिश्रित वाक्य
उपवाक्य- विशेषण

(ग) वाक्य- मिश्रित वाक्य
उपवाक्य- संज्ञा

(घ) वाक्य- संयुक्त वाक्य
उपवाक्य- क्रिया विशेषण

(ङ) वाक्य- संयुक्त वाक्य
उपवाक्य- क्रिया विशेषण

Page : 21 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q15. कहानी में जगह जगह मुहावरों का प्रयोग हुआ है। कोई पाँच मुहावरे छाँटिए और उनको वह क्यों में प्रयोग कीजिए।

Answer.
1. ईंट का जवाब पत्थर से देना
अर्थ- कड़ा प्रत्युत्तर देना।
वाक्य प्रयोग- स्वतंत्रता संग्राम में देश वासियों ने अंग्रेजों को ईंट का जवाब पत्थर से दिया।

2. हिम्मत हारना
अर्थ-थक जाना
वाक्य प्रयोग- एक बार असफल हो जाने पर हमें हिम्मत नहीं हारनी नहीं चाहिए।

3. जान से हाथ धोना
अर्थ-मर जाना

edugross.com

EDUGROSS
WISDOMISING KNOWLEDGE
www.edugross.com

वाक्य प्रयोग-बिना किसी सुरक्षा के जोखिम का कार्य से जान से हाथ धोने का ख़तरा बना रहता है।

4. दाँतों पसीना आना
अर्थ- अत्यधिक परिश्रम करना
वाक्य प्रयोग-बारहवीं की परीक्षा पास करने में मुझे दाँतों पसीना आ गया था।

5. टक टकी लगाना लगातार
अर्थ-किसी की राह में लगातार इंतज़ार करना/निरंतर देखना
वाक्य प्रयोग- छुट्टी होने पर छोटा बच्चा टकटकी लगाकर अपने पिता की राह देखता रहा।

Page : 21 , Block Name : भाषा अध्ययन

edugross.com